सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-6	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:1

मौखिक

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) कवि सारे संसार को अपना घर समझता है, सभी उन हैं इसलिए वह किसी को पराया नहीं समझता।

(ख) वह मंदिर-मस्जिद पर सर नहीं टेकना चाहता क्योंकि धर्मों का आदर करता है।

(ग) कवि को मनुजत्व (मनुष्यता और सद्गुण) भाता है ।

(घ)संसार में दलित वंचित जिन्हें धूल के समान समझते हैं उनका और संसार के प्रत्येक मनुष्य का सुख में भाग है।

लिखित

2. प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कवि का धर्म प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर के अंश को देखना सिखाता है।

(ख) कवि स्वर्ग की सुकुमार कहानियाँ न सुन कर जीवन क सच्चाई का सामना करना चाहता है। वह पृथ्वी पर रह क जीवन जीना चाहता है स्वर्ग की कल्पना करके नहीं।

(ग) कवि संसार में प्यार बाँटना चाहता है। वह अपनी हँसी में दीन-दुखियों को भी शामिल करना चाहता है। कहने का तात्पर्य है वह अपना सुख सभी के साथ बाँटना चाहता है।

(घ) कवि कहता है कि वह काँटों को भी पैरों से नहीं कुचलना चाहता। अर्थात वह बुरा सोचने वालों का भी बुरा नहीं करना चाहता।

3.कविता की वे पंक्तियाँ चुनकर लिखिए जिनका अर्थ है

(क) मैं बस कहता हूँ कि प्यार है, तो घट-घट में राम है।

(ख) मेरा तो आराध्य आदमी, देवालय हर द्वार है।

(ग) सुख न तुम्हारा केवल, जग का भी उसमें भाग है।

(घ) कोई नहीं पराया मेरा घर सारा संसार है।

विकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर के सामने सही (√) का निशान लगाइए।

(क) जाति-पाँति की भीड़ में

(ख) हर इन्सान

(ग) अपनी मानवता पर